एक नजर में

आदिवासी वीर योद्धा राणा पुंजा भील की जयंती मनाई

नीमच। मां शबरी सेवा समिति के तत्वावधान में राणा पुंजा भील जयंती शबरी माता मंदिर रतनगढ़ में मनाई गई। जिसमें कार्यक्रम का शुभारंभ पारंपरिक आदिवासी संस्कृति के साथ राणां पुंजा की तस्वीर व मां शबरी की प्रतिमा को माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया गया और तत्पश्चात समाज के वरिष्ठ जनों द्वारा भोमट के राजा वीर योद्धा राणां पुंजा भील के जीवन चरित्र पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उन्होंने बहुत से युद्ध लड़े जिसमें छोटी सी सेना ने हजारों की मुगल सेना को खदेड़ कर हल्दी घाटी के युद्ध में विजय प्राप्त की थी।और मेवाड़ का मान बढ़ाया व राष्ट्र में भील समाज का गौरव बढ़ाया, और वरिष्ठ जनों द्वारा सामाजिक जागृति, एकता व समाज को शिक्षा एवं रोजगार के साथ जोड़ने के विषय पर भी विचार विमर्श किया गया कार्यक्रम में समाज के वरिष्ठ जन व जयस के पुर्व जिला अध्यक्ष सुरेश तावड़, पुर्व जिला सचिव पवन भील, रतनगढ़ समिती अध्यक्ष नन्दा भील कोषाध्यक्ष सोहन भील, जनपद सदस्य मांगीलाल भील, सरपंच लालचंद, नानालाल, बाबु लाल, हरीराम, मथुरा लाल, बंसी लाल, भेरुलाल, अमरचंद भील एवं मूलचंद भील आदि समाजजन बड़ी संख्या में शामिल हुए।

नीमच में लगेगा सर्व रोग जांच एवं नि : शुल्क परामर्श शिविर

नीमच। इंनरव्हील क्लब ऑफ नीमच डायमंड एवं पैसिफिक मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल, भीलो का बेदला के संयुक्त तत्वावधान में सर्व रोग जांच, परामर्श एवं भर्ती शिविर का आयोजन आगामी रविवार, 12 अक्टूबर 2025 को किया जा रहा है। यह शिविर प्रात: 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक सी.एस.वी. अग्रोहा भवन, गोमाबाई रोड, नीमच पर आयोजित होगा। शिविर में सभी प्रकार की बीमारियों की निःशुल्क जांच, परामर्श एवं भर्ती की सुविधा उपलब्ध रहेगी। साथ ही, चयनित मरीजों के निःशुल्क ऑपरेशन एवं उपचार भी पैसिफिक मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल, उदयपुर में किए जाएंगे। विभिन्न विभागों जैसे – नेत्र रोग, अस्थि रोग, नाक-कान-गला रोग, स्त्री एवं प्रसूति रोग, हृदय एवं ब्लड प्रेशर रोग, त्वचा रोग, शिशु रोग, दंत रोग, जनरल मेडिसिन, जनरल सर्जरी आदि में विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा निःशुल्क परामर्श, जांच व ऑपरेशन की सुविधा दी जाएगी। शिविर में चयनित रोगियों को उदयपुर लाने-ले जाने, नाश्ता एवं भोजन की निःशुल्क व्यवस्था रहेगी।

लायंस डायनेमिक ने नि :शुल्क नेत्र रोग निदान शिविर

मन्दसौर। लायंस क्लब मंदसौर डायनेमिक द्वारा लाभ मुनि नेत्र चिकित्सालय मे नेत्र रोग निदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. अशोक सोलंकी ने सेवाएं देते हुए 150 रोगियों का नि :शुल्क परीक्षण किया और 40 रोगियों को नि :शुल्क ऑपरेशन हेतु चयनित किया गया किया। शिविर में 50 की ब्लड प्रेशर और शुगर की जांच भी गई। क्लब द्वारा कोषाध्यक्ष नीता सोलंकी के सहयोग से सभी मरीजों को बिस्कुट और मेडिसिन रखने के लिए बॉक्स से भी दिए। इस अवसर पर नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ अशोक सोलंकी ने कहा सभी को विशेष कर आंखों पर ध्यान देना चाहिए और समय-समय पर आंखों की जांच कराना चाहिए। आंखों के प्रति लापरवाही गंभीर रोग पैदा कर सकती है जिससे व्यक्ति नेत्रहीन भी हो जाता है। इस अवसर पर क्लब अध्यक्ष उषा चौधरी ने कहा कि लायंस डायनेमिक समय-समय पर नि :शुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित करता है जिससे जरूरतमंद लोगों को नि :शुल्क चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध हो सके। इस अवसर पर क्लब अध्यक्ष उषा चौधरी, सचिव सीमा धनोतिया, कोषाध्यक्ष नीता सोलंकी, शक्ति चेयरपर्सन चित्रा मंडलोई, सुमित्रा चौधरी, रीमा सैनी आदि उपस्थित रही। आभार कोषाध्यक्ष नीता सोलंकी ने माना।

आर्य समाज ने संघ के पथ संचलन का किया भव्य स्वागत

मंदसौर। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के 100 वर्ष पूर्ण होने पर स्वयंसेवकों द्वारा मंदसौर नगर में निकाले गये विशाल पथ संचलन का आर्य समाज द्वारा गांधी चौराहा पर पुष्पवर्षा कर भव्य स्वागत किया गया। इसके पूर्व राष्ट्र की सुख समृद्धि के लिये आर्य समाज में हवन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर आर्य समाज अध्यक्ष मधुसूदन आर्य, लाखनसिंह आर्य राजगढ़, वरिष्ठ पत्रकार गायत्री प्रसाद शर्मा, चन्द्रेश गौड़, सुरेन्द्रसिंह रामावत सहित आर्य वीर दल के बच्चों आदि ने पुष्पवर्षा कर स्वयंसेवकों का भव्य स्वागत किया।

पशुपतिनाथ मेला की तैयारियां समय पूर्व प्रारंभ

मंदसौर। नपाध्यक्ष रमादेवी बंशीलाल गुर्जर, उपाध्यक्ष श्रीमती नम्रता प्रीतेश चावला, सीएमओ श्रीमती अनिता चौकोटिया ने बताया कि भगवान श्री पशुपतिनाथ महादेव का 63वां मेला दिनांक 1 से 20 नवम्बर तक भगवान पशुपतिनाथ महादेव मंदिर के समीप मेला ग्राउंड में आयोजित किया जायेगा। मेला भव्यतम रूप से आयोजित हो इसके लिये नपा परिषद ने समय पूर्व तैयारियां प्रारंभ कर दी है। नपा में लगने वाली अस्थाई दुकानों जिसमें मनिहारी, झूले चकरी, होटल रेस्टोरेंट, सॉफ्टी इत्यादि लगाने के लिये सीलबंद ऑफर मंगाये गये है। निर्धारित दिनांक व समय तक दुकानदार अपने सीलबंद ऑफर नपा की राजस्व शाखा से सम्पर्क कर जमा करा सकते है। मेला में होने वाले सांस्कृतिक रंगमंचीय कार्यक्रम जिसके अंतर्गत अ.भा. कवि सम्मेलन, फिल्मी नाईट, भजन संध्या जो आयोजित होना है उसके लिये भी निविदायें मेला लगाये जाने के लगभग 25 दिवस पूर्व बुलाई गई है। मेला की आवश्यक व्यवस्थायें जिसके अंतर्गत टेंट, उच्च क्वालिटी का साउण्ड सिस्टम, विद्युत व्यवस्था, आमंत्रण पत्र/पोस्टर छपाई एवं बास बल्ली इत्यादि कार्य की ऑनलाइन एवं ऑफलाइन निविदायें भी मेला आयोजन से लगभग 25 दिवस पूर्व ही मंगाई गई है। नपा परिषद के द्वारा समय पूर्व तैयारियां किये जाने से मेला भव्यतम होगा।

स्वच्छता पदयात्रा के तीन वर्ष पूर्ण

मन्दसौर। हर बार व हर मंच से शासन व प्रशासन द्वारा यह बात बार बार दोहराई जाती है कि समस्याओं के समाधान के लिए सामाजिक संस्थाएं आगे आएं व सहयोग करें किंतु विडम्बना देखिए कि अनुराग संस्था द्वारा तीन वर्ष पूर्व मन्दसौर नगर को स्वच्छ व सुन्दर बनाने हेतु सहयोग की भावना के साथ एक योजना बनाकर नगरपालिका को प्रस्तुत की थी। जिसकी प्रतिलिपि शासन व प्रशासन के समस्त प्रमुख महानुभावों को भी भेजी गई थी। उसके बाद नगर पालिका को अनेक बार स्मरण भी कराया गया किंतु बड़ा ही दु :ख होता है कि तीन वर्ष बीत जाने के बाद भी आज तक कोई कदम नहीं उठाया गया है। जबकि प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेन्द्रजी मोदी का सबसे ज्यादा जोर स्वच्छता व पर्यावरण पर है।

रेलवे फाटक पर अंडरपास के लिए मिट्टी परीक्षण कार्य प्रारंभ

- नगरवासियों में खुशी, अण्डर पास बनने से जल्द मिलेगी राहत
- 48 घंटे में बनेगा, 6 मीटर चौड़ा, 2.65 मीटर उंचा व 100 मीटर लम्बा अंडरपास

पिपलियामण्डी। नगर में रेलवे फाटक पर ओवरब्रिज बनने के बाद अब अंडरपास बनने की दिशा में बड़ी पहल हुई है। रेलवे विभाग ने फाटक पर मिट्टी परीक्षण की प्रक्रिया शुरू कर दी है। अंडरपास निर्माण के लिए यह पहला चरण है, जिससे नगर के दोनों हिस्सों को जोड़ने का सपना अब साकार होने की ओर बढ़ चला है।

मशीन से खुदाई कर लिया मिट्टी के नमूने:–शनिवार दोपहर इंदौर से आई मिट्टी परीक्षण मशीन पिपलिया स्टेशन रेलवे समपार क्रमांक 141 पर पहुंची। मिट्टी परीक्षण की मशीन के ऑपरेटर कोवसी गरासिया बताया कि मिट्टी परीक्षण की यह प्रक्रिया तीन दिनों तक चलेगी। इस दौरान मशीन से खुदाई कर रेलवे फाटक के दोनों ओर से मिट्टी के नमूने एकत्र किए जाएंगे जिन्हें परीक्षण के लिए इंदौर की प्रयोगशाला भेजा जाएगा। मिट्टी की मजबूती, नमी और संरचना के आधार पर अंडरपास निर्माण में प्रयुक्त होने वाली सामग्री का चयन किया जाएगा।

लोगों में खुशी, मशीन ऑपरेटर का किया स्वागत:– मिट्टी परीक्षण मशीन के रेलवे फाटक पर पहुंचते ही बड़ी संख्या में स्थानीय लोग वहां एकत्र हो गए। लोगों में अंडरपास की शुरुआत को लेकर काफी उत्सुकता दिखाई दी। उपस्थित लोगों ने बताया कि नगर में यह फाटक वर्षों से बंद है, जिससे नगर के दोनों हिस्सों में आवागमन पूरी तरह बाधित था। अंडरपास बनने से यह समस्या दूर होगी। लोगों ऑपरेटर कोवसी गरासिया व अन्य का पुष्पमाला पहनाकर स्वागत् किया।

ओवरब्रिज से नगर बंट गया दो हिस्सों में:– रहवासी व एडवोकेट, अजुंमन सदर एम. सय्यद मंसूरी ने बताया कि ओवरब्रिज बनने के बाद पिपलिया मंडी नगर दो हिस्सों में बंट गया है। नगर परिषद, सब्जी मंडी, गांधी चौराहा और कृषि मंडी जैसी मुख्य जगहों पर पहुंचने के लिए लोगों को ओवरब्रिज चढ़ना और उतरना पड़ता था, जिससे आम नागरिक, महिलाएं, बुजुर्ग और विद्यार्थी सभी को भारी परेशानी झेलनी पड़ रही है। उन्होंने कहा कि अब अंडरपास बनने के बाद लोगों को आने-जाने में राहत मिलेगी ।

रहवासी नगर परिषद उपाध्यक्ष भारतसिंह सोनगरा व पूर्व पार्षद मनोहर पालीवाल ने बताया कि ओवरब्रिज बनने के बाद गांधी चौराहा से लेकर रेलवे फाटक तक और रेलवे फाटक से अजय टाकीज मार्ग तक के सभी दुकानदारों का व्यापार लगभग ठप पड़ गया था। ब्रिज बनने के बाद ब्रिज के नही कोई नहीं आता था, जिससे व्यापार पूरी तरह प्रभावित हो गया। अब अंडरपास बनने की प्रक्रिया शुरू होने से व्यापारियों में नई उम्मीद जगी है।

व्यापारिक क्षेत्र में फिर से रौनक लौटने की संभावना बढ़ गई है। स्थानीय व्यापारियों ने बताया कि ओवरब्रिज बनने के बाद बस स्टैंड क्षेत्र भी पूरी तरह सुनसान हो गया। पहले जहां सैकड़ों लोग बसों के इंतजार में खड़े दिखाई देते थे, वहीं अब वहां सन्नाटा पसरा रहता है। यात्रियों के मार्ग बदलने से दुकानदारों की बिक्री प्रभावित हो गई थी। जैसे ही मिट्टी परीक्षण की मशीन पहुंची, क्षेत्र के व्यापारियों में उल्लास दिखाई दिया ।

दलौदा में निकला भव्य नगर स्तरीय पथ संचलन, शस्त्र पूजन हुआ

- हजारों स्वयंसेवक हुए सम्मिलित, पुष्पवर्षा और जयघोष के साथ किया स्वागत

दलौदा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में रविवार को दलौदा में नगर स्तरीय पथ संचलन का भव्य आयोजन हुआ। इस अवसर पर हजारों स्वयंसेवक पूर्ण गणवेश में सहभागी बने। संचलन से पूर्व कृषि उपज मंडी परिसर में शस्त्र पूजन का कार्यक्रम संपन्न हुआ, जिसके बाद अनुशासित पंक्तियों में स्वयंसेवकों ने नगर भ्रमण किया। संचलन लगभग 6 किलोमीटर की दूरी तक निकाला गया।

संचलन मार्ग पर जगह-जगह स्वागत द्वार बनाए गए थे। नगर के प्रमुख मार्गों पर रहवासियों ने रंगोलियां बनाईं और पुष्पवर्षा कर स्वयंसेवकों का स्वागत किया। महिलाओं, युवाओं और बच्चों ने भी बड़ी संख्या में संचलन का दर्शन कर जयघोष किया।

कार्यक्रम के बौद्धिक सत्र में मुख्य वक्ता श्यामदास बैरागी ने अपने उद्बोधन में कहा कि राष्ट्र ही परम सत्य है और व्यक्ति या संगठन का अस्तित्व तभी सार्थक है जब वह राष्ट्र की सेवा में समर्पित हो। उन्होंने संघ संस्थापक डॉ. हेडगेवार के जीवन से प्रेरक प्रसंग बताते हुए कहा कि जब महारानी विक्टोरिया के जन्मदिन पर मिठाई वितरित की जा रही थी, तब डॉ. हेडगेवार ने वह मिठाई खाने से इंकार कर दिया था, क्योंकि वे परतंत्र भारत में किसी विदेशी शासक का जन्मदिन मनाना अपमानजनक मानते थे। उस क्षण से ही उनके मन में स्वदेश और स्वाभिमान की ज्योति प्रज्वलित हुई थी। आज संघ के कार्यकर्ता उसी भावना को लेकर समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंच रहे हैं-जाति, धर्म या भाषा के भेद से ऊपर उठकर राष्ट्र की एकता और अखंडता के लिए कार्य कर रहे हैं।

बौद्धिक के बाद निकला पद संचलन, हिंदू समाज जागरण का आह्वान

- मंदसौर में संघ का शताब्दी वर्ष कार्यक्रम

मंदसौर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के अवसर पर रविवार को नगर में संघ का विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बौद्धिक सत्र के पश्चात स्वयंसेवकों द्वारा अनुशासित पंक्तियों में भव्य पद संचलन निकाला गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्वयंसेवक पारंपरिक गणवेश में सम्मिलित हुए।

बौद्धिक सत्र में वक्ताओं ने श्री रामसेतु आंदोलन से लेकर हिंदू समाज के आत्मजागरण तक की यात्रा को रेखांकित करते हुए कहा कि समाज का प्रत्येक वर्ग हिंदू हितों के संरक्षण व राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाए। तुष्टीकरण की किसी भी नीति को स्वीकार नहीं किया जाएगा और समाज संगठित होकर अपने धर्म व संस्कृति की रक्षा करेगा।

वक्ताओं ने 2011 के बाद शुरू हुई हिंदुत्व की जागृति यात्रा का उल्लेख करते हुए कहा कि अब सज्जन शक्तियां समाज परिवर्तन के कार्य में एकजुट होकर कार्यरत हैं। पारिवारिक व सामाजिक मूल्यों को व्यवहार में उतारते हुए धर्म की स्थापना का संकल्प लेना ही इस शताब्दी वर्ष का मूल उद्देश्य है।

कार्यक्रम में नगर के विभिन्न क्षेत्रों से स्वयंसेवकों ने सहभागिता की और अनुशासित संचलन के माध्यम से समाज में संगठन और एकता का संदेश दिया।

3 रेलवे दोहरीकरण प्रोजेक्ट अंतिम चरण में

- दिसंबर तक शुरू होगी नई रेल लाइन, 1100 करोड़ की लागत से बना 133 किमी ट्रैक
- यात्री अब तेज रफ्तार ट्रेनों और बड़े शहरों से सीधा कनेक्शन पाएंगे

नीमच। नीमच-रतलाम रेल लाइन पर दोहरीकरण का काम तेज गति से चल रहा है। 133 किमी इस दोहरीकरण का अब तक 72 फीसदी से अधिक काम हो चुका है। रेलवे ने इसी साल के अंत तक दिसंबर में पूरा करने का लक्ष्य रखा है लेकिन नवंबर तक ही काम पूरा करने का दावा किया जा रहा है। इससे यह क्षेत्र भी बड़े शहरों से सीधा जुड़ेगा और यात्री सुविधाओं का विस्तार होगा।

इस प्रोजेक्ट पर सरकार 1100 करोड़ की राशि रतलाम मंडल में खर्च कर रही है। इसमें जहां काम पूरा हुआ है वहां सीआरएस के निरीक्षण के साथ गति परीक्षण हो चुका है। दोहरीकरण का यह प्रोजेक्ट अंतिम चरण में चल रहा है। इसमें दलौदा-ढोढर के बीच करीब 20 किमी लंबे नई दोहरी लाइन पर गति परीक्षण सफलतापूर्वक किया गया है। नीमच से दलौदा और दलौदा से रतलाम दो चरणों में इस प्रोजेक्ट पर काम चल रहा है।

72 प्रतिशत काम पूरा

नीमच-रतलाम के 133 किमी के रेल ट्रैक में से 72 प्रतिशत से अधिक यानी 95 किमी से अधिक ट्रैक बिछाने का काम पूरा हो चुका है। लाइन दोहरीकरण का काम अंतिम चरण में है। इसमें दलौदा से ढोढर के बीच सेक्शन का काम पूरा हो चुका है सीआरएस निरीक्षण हो चुका है। यह परियोजना में रतलाम मंडल के अंतर्गत है 1100 करोड़ खर्च होंगे। रेलवे ने दिसंबर-2025 में इसे पूरा करने का लक्ष्य रखा है। रेल अधिकारियों का दावा है कि जिस गति से कार्य चल रहा है उसके पहले यानी नवंबर माह में ही पूरा हो जाएगा। इसके बाद सीआरएस के निरीक्षण होंगे।

डॉ. अपूर्व चौहान के मार्गदर्शन में चिकित्सकों की बड़ी सफलता

नीमच। जिला अस्पताल नीमच के ईएनटी विभाग में एक जटिल प्री-ऑरिक्यूलर साइनस की शल्यक्रिया सफलतापूर्वक संपन्न की गई। यह सर्जरी डॉ. अपूर्व चौहान के मार्गदर्शन में की गई, जिसे शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय नीमच के चिकित्सकों डॉ. अक्षित भार्गव, डॉ. अरविंद गुप्ता और उनकी टीम ने सफलता पूर्वक अंजाम दिया।

प्री-ऑरिक्यूलर साइनस एक जन्मजात विकृति है, जिसमें कान के आगे छोटे छिद्र या नलिकाएं दिखाई देती हैं। त्वचा के नीचे यह संकरी नाल कभी-कभी संक्रमण और पस से भरी सूजन का कारण बन जाती है। सामान्यत: यह जन्म से मौजूद रहती है और अधिकांश मामलों में कोई परेशानी नहीं देती, लेकिन बार-बार संक्रमण या पस निकलने की स्थिति में शल्यक्रिया आवश्यक हो जाती है।

मरीज की स्थिति शल्यक्रिया के उपरांत पूर्णत: स्थिर और संतोषजनक बताई गई है। जिला अस्पताल नीमच और शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय की विशेषज्ञ टीम जिले के नागरिकों को उच्च स्तरीय स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रयासरत है।

शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय नीमच के अधिष्ठाता डॉ. आदित्य बेराड़ ने इस उपलब्धि पर चिकित्सक दल को हार्दिक बधाई दी और कहा कि महाविद्यालय एवं अस्पताल भविष्य में भी इसी तरह उच्च गुणवत्ता वाली विशेषज्ञ स्वास्थ्य सेवाएं जनता को प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध रहेंगे।

जिला अस्पताल नीमच के सिविल सर्जन डॉ. महेंद्र पाटिल ने भी चिकित्सा टीम को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि जिले के लिए गौरव की बात है और यह स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में निरंतर वृद्धि का प्रतीक है।

एक नजर आपदा पीड़ित किसानों के लिए पूर्व इंका विधायक नंदकिशोर पटेल की मांग

राहत राशि के नाम पर छले गए किसानों को अब मिले 54 हजार रु प्रति हेक्टेयर फसल बीमा क्लेम

छलावे के शिकार जिले के पीड़ित किसानों को अब अविलंब मिले पूर्ण बीमा क्लेम

नीमच। क्षेत्र के वरिष्ठ इंका नेता और नीमच के पूर्व विधायक नंदकिशोर पटेल ने मानसून सत्र के दौरान नीमच जिले में अति वर्षा और पीली मोजेक से सोयाबीन फसल की पूर्ण तबाही से आहत किसानों के लिए प्रदेश सरकार द्वारा स्वीकृत राहत राशि को अल्पतम और छलावा निरूपित करते हुए मांग की है कि जिले के बीमित किसानों को अब नुकसानी की मात्रा के हिसाब से प्रति हेक्टेयर 54 हजार रु बीमा क्लेम राशि अविलंब दिलाया जाए।

यहां जारी बयान में पटेल ने कहा कि प्राकृतिक आपदा से जिले के करीब 1 लाख 60 हजार किसानों की सोयाबीन फसल लगभग पूरी तरह नष्ट हो जाने से प्रति हेक्टेयर उपज हेतु किसानों द्वारा खर्च किये गए हजारों रु का खुला नुकसान हुआ हैं। लेकिन सरकार ने नीमच जिले में मात्र 33 से 50 प्रतिशत नुकसान ही मानते हुए 1 लाख 41 हजार किसानों के लिए प्रति हेक्टेयर करीब 7300 रु के मान से मात्र 119.6 करोड़ रु की राहत राशि ही स्वीकृत की हैं जो यथार्थ बड़े नुकसान की तुलना में साफ तौर पर छलावा हैं।

पटेल ने कहा कि, अगर सरकार नीमच जिले में सोयाबीन फसल में वास्तविक रूप से हुए 70 प्रतिशत से अधिक नुकसान के हिसाब से राहत राशि तय करती तो जिले के किसानों को प्रति हेक्टेयर के लिए करीब 17 हजार रू के हिसाब से 275 करोड़ रु अधिक सहायता राशि दी जानी चाहिए थी। प्रसंगवश उल्लेख है कि कांग्रेस की तत्कालीन कमलनाथ सरकार ने नीमच जिले में वर्तमान के मुकाबले कम क्षति के बावजूद 220 करोड़ रु से अधिक की राशि स्वीकृत की थी।

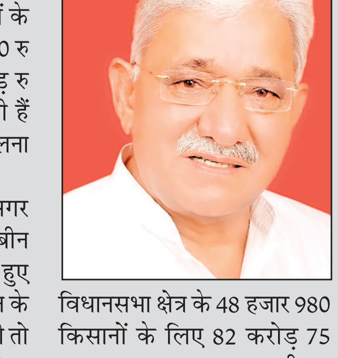

इसमें अकेले नीमच विधानसभा क्षेत्र के 48 हजार 980 किसानों के लिए 82 करोड़ 75 लाख 53 हजार 486 रू स्वीकृत हुए थे। इस तरह तुलनात्मक रूप से आँकलन करें तो वर्तमान भाजपा सरकार सोयाबीन फसल में वास्तविक रूप से हुए व्यापक नुकसान को अनदेखा कर केवल दिखावे के लिए मनमाने ढंग से अल्पतम राहत राशि देकर किसानों के साथ छलावा ही कर रही हैं जो कथनी और करनी में भेद को उजागर करता हैं।

पटेल ने कहा कि, सरकारी स्तर पर राहत राशि के नाम पर चले गये छले गए जिले प्राकृतिक आपदा से पीड़ित किसानों के साथ यह न्यायसंगत होगा कि सरकार उनकी क्षतिग्रस्त फसल के लिए अविलंब निर्धारित पूर्ण बीमा क्लेम राशि दिलाने के लिए सकारात्मक हस्तक्षेप करें। विदित है कि खरीब फसल 2025 के तहत नीमच जिले के 69 हजार 476 किसानों ने 10 करोड़ 71 लाख 70 हजार 765 रुपए प्रीमियम जमा करवा कर 99 हजार 848 हेक्टेयर रकबे का फसल बीमा करवाया हैं।

मंदसौर जिलों के लिए सरकार द्वारा अधिकृत प्रायवेट बीमा कम्पनी एग्रीकल्चर इंश्योरेंस कंपनी ऑफ इंडिया के तहत हुए बीमा अनुसार नीमच जिले में सोयाबीन फसल हेतु 54 हजार रु प्रति हेक्टेयर बीमा राशि निर्धारित की गई हैं। इसका स्पष्ट अर्थ यह है कि, फसल नष्ट होने पर सम्बद्ध किसान को इस हिसाब से बीमा क्लेम राशि प्रदान की जाएगी।

पटेल ने कहा कि, पूर्वानुभव कहते हैं कि, प्रायवेट बीमा कंपनियों की कार्य प्रणाली किसानों की भलाई के बजाय खुद के स्वार्थ साधने की रहती हैं। पिछले वर्षों में देखा गया है कि, बीमा कंपनियों ने वास्तविक नुकसान को अनदेखा कर नियमों की झोल दिखाते हुए पीड़ित किसानों को कुल जमा प्रीमियम से भी कम बीमा राशि प्रदान की हैं। वर्ष 2025 खरीफ फसल सत्र में सोयाबीन फसल में हुई भारी नुकसान के बाबजूद किसानों के साथ फिर बीमा कम्पनी अन्याय न करें यह देखना सरकार की जिम्मेदारी हैं। पटेल ने मांग की है कि, मध्यप्रदेश सरकार प्राकृतिक आपदा से तबाह हुए जिले के बीमित किसानों के हितों को ध्यान में रख कर आगे आये और नुकसानी की भारी मात्रा को देखते हुए बीमा कम्पनी से प्रत्येक पात्र बीमाधारी किसान को 54 हजार रुपये प्रति हेक्टेयर के हिसाब से अविलंब निर्धारित बीमा क्लेम राशि दिलाना सुनिश्चित करें। इस बारे में किसी प्रकार की ढिलाई राहत राशि वितरण को लेकर किसानों के साथ किये गए सरकारी छल का ही विस्तार होगा जिसके विरुद्ध कांग्रेस आंदोलन करेंगी।